केसरिया स्तूप

चर्चा में क्यों?

केसरिया स्तूप **विश्व का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप है।** यह **बिहार के पूर्वी चंपारण ज़िले** में पटना से 110 किलोमीटर की दूरी पर **केसरिया में स्थित है।**

मुख्य बिंदु:

- **स्तूप का पहला निर्माण ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी का माना जाता है।** मूल केसरिया स्तूप संभवतः अशोक के समय (लगभग 250 ईसा पूर्व) का है, क्योंकि **अशोक के एक स्तंभ** की राजधानी के अवशेष वहाँ खोजे गए थे।
- वर्तमान स्तूप **200 ईस्वी और 750 ईस्वी के बीच गुप्त राजवंश का है** तथा संभवतः चौथी शताब्दी के शासक **राजा चक्रवर्ती** से जुड़ा हुआ है।
- **स्तूप टीले का उद्घाटन बुद्ध के समय में भी किया गया होगा** क्योंकि यह कई मायनों में वैशाली के लिच्छवियों द्वारा बुद्ध द्वारा दिये गए भिक्षापात्र को रखने के लिये बनाए गए स्तूप के वर्णन से मेल खाता है।
  - प्राचीन काल में **केसरिया मौर्य और लिच्छवियों के शासन के अधीन था।**
- **प्राचीन काल में दो महान विदेशी यात्रियों, फैक्सियन (फाह्यान) और जुआन जांग (ह्वेन त्सांग)** ने इस स्थान का दौरा किया था तथा उन्होंने अपनी यात्राओं के दिलचस्प एवं जानकारीपूर्ण विवरण छोड़े हैं।
- कुषाण वंश (30 ईस्वी से 375 ईस्वी) **के प्रसिद्ध सम्राट कनिष्क की मुहर वाले सोने के सिक्कों की खोज** केसरिया की प्राचीन विरासत को और स्थापित करती है।
- इसकी खोज वर्ष 1814 में कर्नल मैकेंज़ी के नेतृत्व में इसकी **खोज के बाद 19वीं शताब्दी की शुरुआत में शुरू हुई थी।**
- बाद में, **वर्ष 1861-62 में जनरल कनिंघम द्वारा इसकी खुदाई की गई और वर्ष 1998 में पुरातत्त्वविद के.के. मुहम्मद के नेतृत्व में एक ASI टीम** ने इस स्थल की उचित खुदाई की थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kesariya-stupa-1